Under CSR Support by ipca | Foundation

Under CSR Su ipca | Foundation

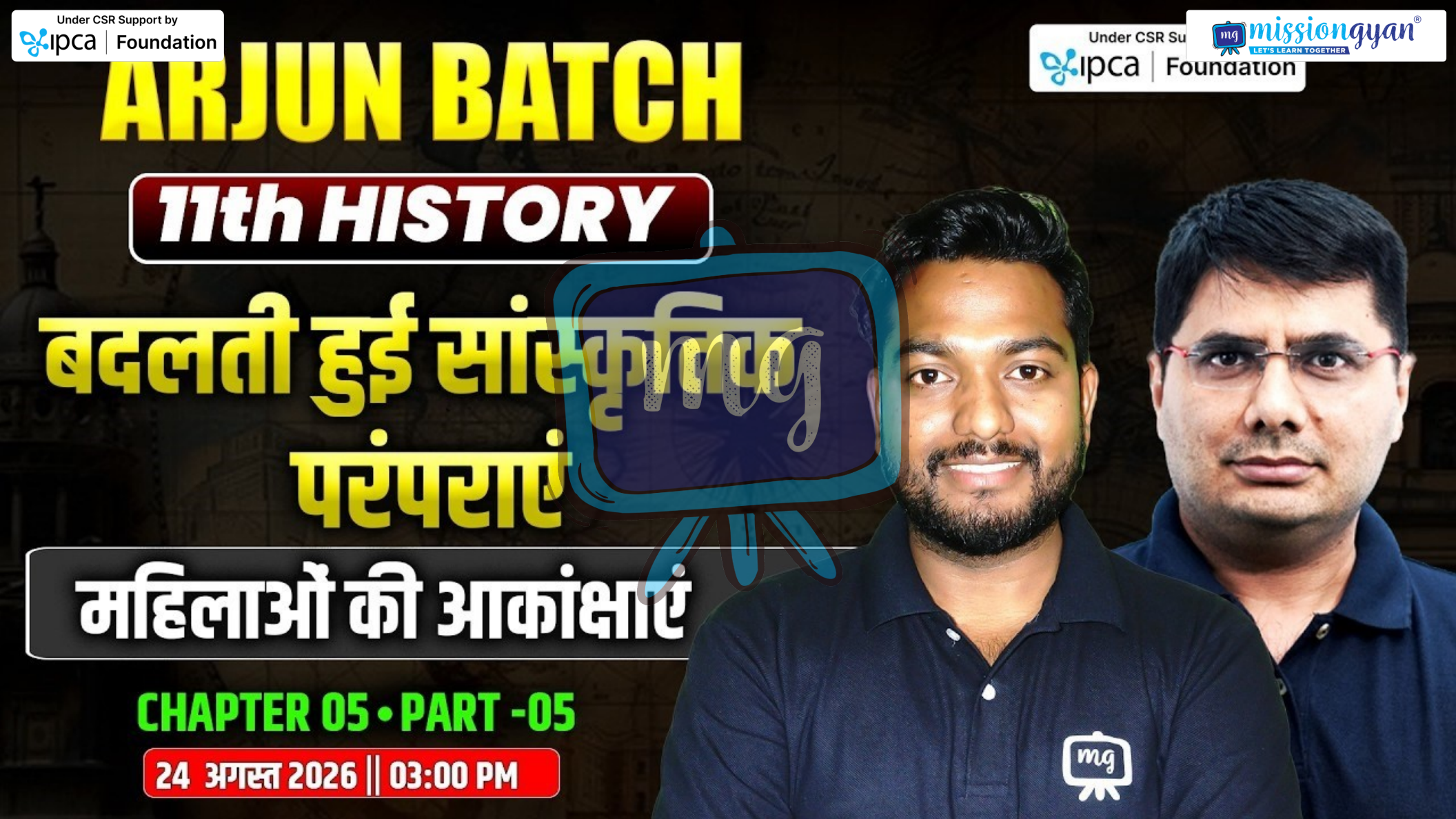
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

11th HISTORY

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं

महिलाओं की आकांक्षाएं



CHAPTER 05 • PART -05

24 अगस्त 2026 || 03:00 PM

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

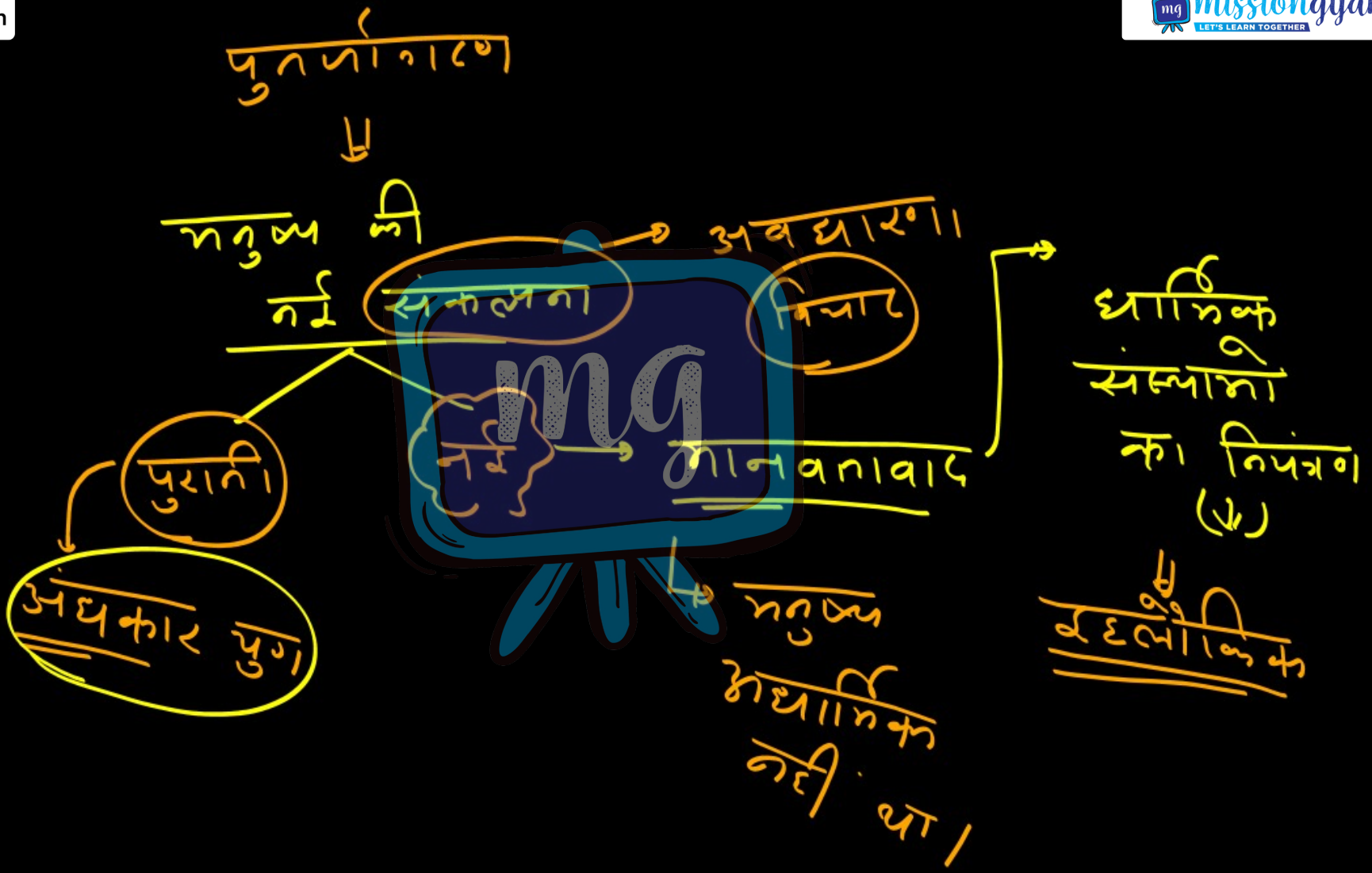
आज क्या पढ़ेंगे ?



1. मनुष्य की एक नयी संकल्पना
2. महिलाओं की आकांक्षाएँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

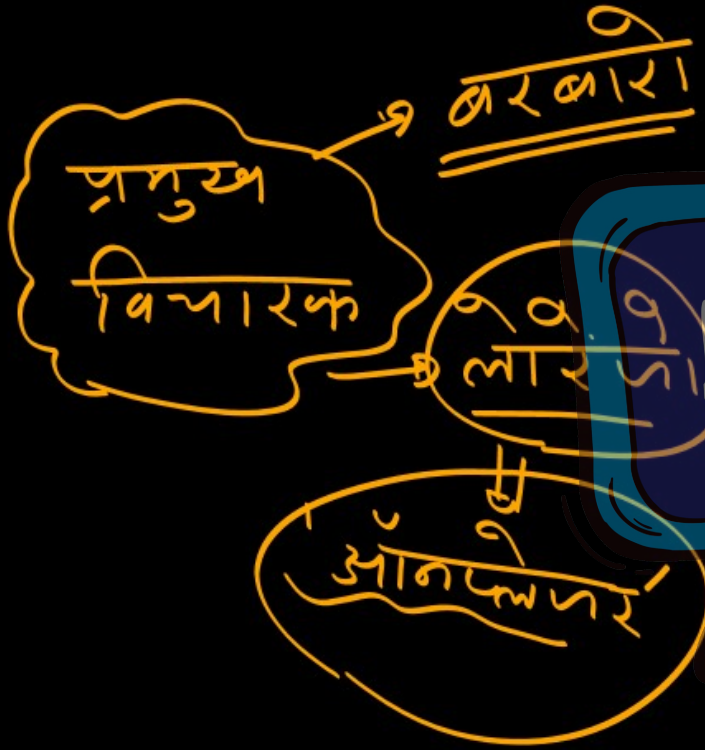


मनुष्य की एक नयी संकल्पना

- मानवतावादी संस्कृति की विशेषताओं में से एक था मानव जीवन पर धर्म का नियंत्रण कमजोर होना।
- इटली के निवासी भौतिक संपत्ति, शक्ति और गौरव से बहुत ज्यादा आकृष्ट थे।
- परंतु ये जरूरी नहीं कि वे अधार्मिक थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वेनिस के मानवतावादी फ्रेन्चेस्को बरबारो (1390-1454) ने संपत्ति अधिग्रहण करने को एक विशेष गुण बताया।
- लोरेन्ज़ो वल्ला (1406-1457) के अनुसार इतिहास का अध्ययन मुनष्य को पूर्णतया जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करता है।
- उन्होंने अपनी पुस्तक ऑनप्लेजर में भोग-विलास पर लगाई गई ईसाई धर्म की निषेधाज्ञा की आलोचना की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावादी

इस समय लोगों में अच्छे व्यवहारों के प्रति दिलचस्पी थी जैसे –

- व्यक्ति को किस तरह विनम्रता से बोलना चाहिए।
- कैसे कपड़े पहनने चाहिए।
- एक सभ्य व्यक्ति को किसमें दक्षता हासिल करनी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

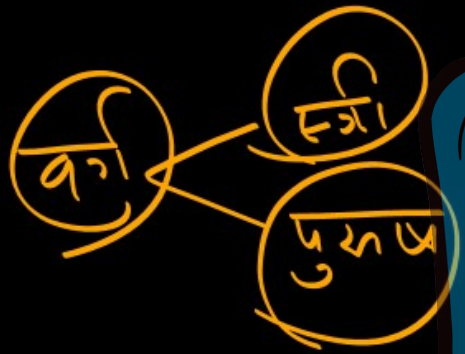
❖ निकोलो मैक्यिावेली अपने ग्रंथ दि प्रिंस (1513) में मनुष्य के स्वभाव के बारे में लिखते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

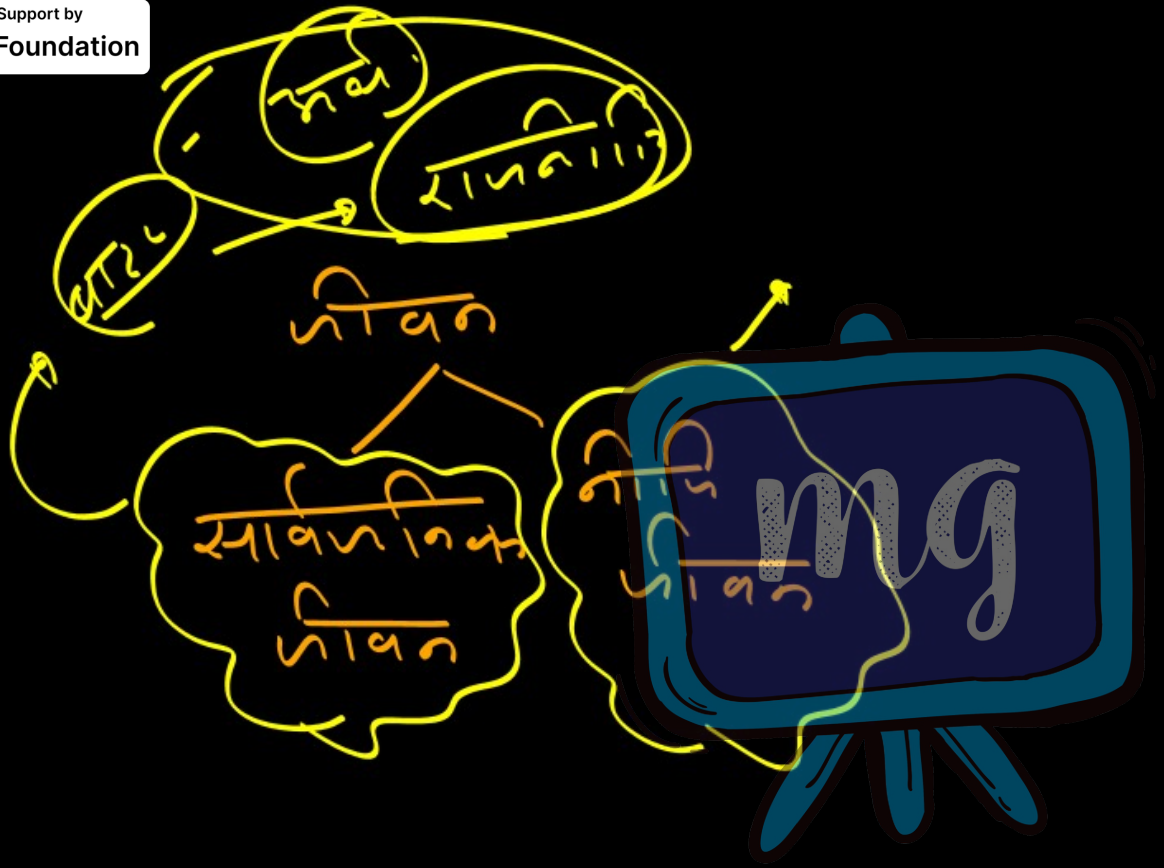
महिलाओं की आकांक्षाएँ



- वैयक्तिकता और नागरिकता के नए विचारों से महिलाओं को दूर रखा गया।
- सार्वजनिक जीवन में अभिजात व संपन्न परिवार के पुरुषों का प्रभुत्व था।
- उस समय लोग अपने लड़कों को ही शिक्षा देते थे।
- विवाह में प्राप्त महिलाओं के दहेज को वे अपने पारिवारिक कारोबारों में लगा देते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- महिलाओं को यह अधिकार नहीं था कि वे अपने पति को कारोबार चलाने के बारे में कोई राय दे।
- पर्याप्त दहेज का प्रबंध न हो होने पर शादीशुदा लड़कियों को ईसाई मठों में भिक्षुणी का जीवन बिताने के लिए भेज दिया जाता था।
- व्यापारी परिवारों में महिलाओं की स्थिति कुछ भिन्न थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दुकानदारों की स्त्रियाँ दुकानों को चलाने में प्रायः उनकी सहायता करती थीं।
- व्यापारी और साहूकार परिवारों की पत्नियाँ, परिवार के कारोबार को पति की अनुपस्थिति में सँभालती थीं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- वेनिस निवासी कसान्द्र फेदेले (1465-1558) ने लिखा, "यद्यपि महिलाओं को शिक्षा न तो पुरस्कार देती है न किसी सम्मान का आश्वासन, तथापि प्रत्येक महिला को सभी प्रकार की शिक्षा को प्राप्त करने की इच्छा रखनी चाहिए और उसे ग्रहण करना चाहिए।"

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

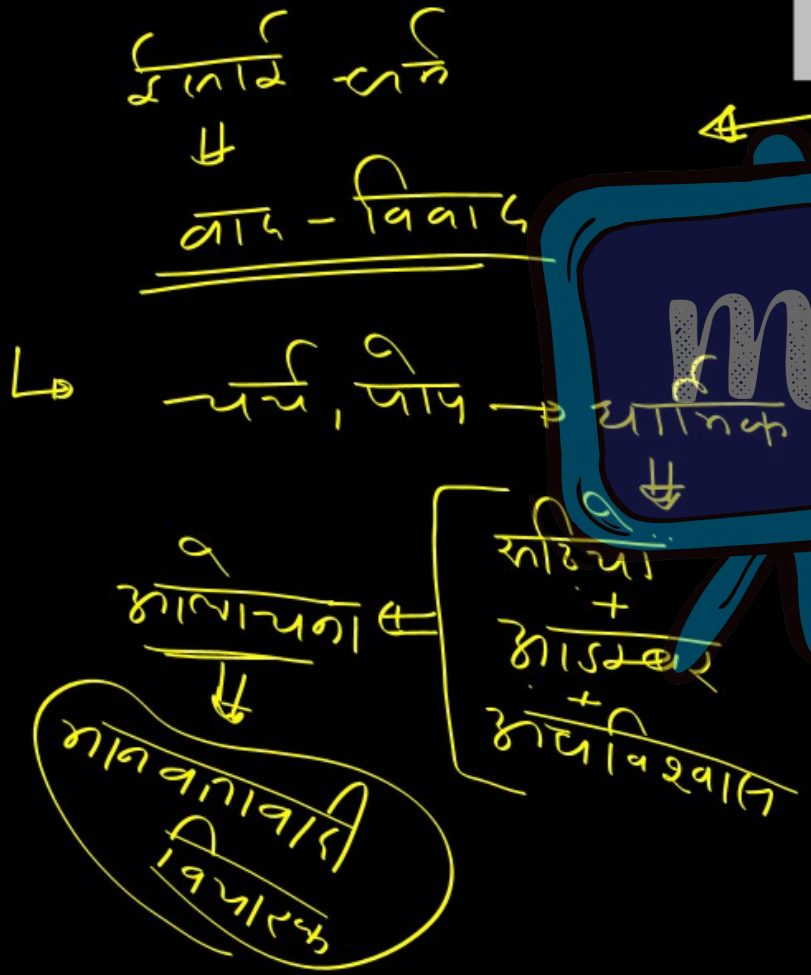


- फेदेले ने गणतंत्र की आलोचना "स्वतंत्रता की एक बहुत सीमित परिभाषा निर्धारित करने के लिए की, जो महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों की इच्छा का ज्यादा समर्थन करती थी।"
- इस काल की एक अन्य प्रतिभाशाली महिला मंटुआ की मार्चिसा ईसाबेला दि इस्ते (1474-1539) थीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ईसाई धर्म के अंतर्गत वाद-विवाद



- नयी संस्कृति की शिक्षित और समृद्धिशाली लोगों द्वारा प्रशंसा की गई।
- परंतु इन नए विचारों में कुछ ही आम आदमी तक पहुँच सके क्योंकि वे साक्षर नहीं थे।
- उत्तरी यूरोप में मानवतावाद ने ईसाई चर्च के अनेक सदस्यों को आकर्षित किया।
- उन्होंने अनावश्यक कर्मकांडों को त्यागने की बात की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख ईसाई मानवतावादी

इंग्लैंड के टॉमस मोर
(1478-1535)



हालैंड के इरेस्मस,
(1466-1536)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चर्च साधारण लोगों से लूट-खसोट करने वाली संस्था बन गई।
- पादरियों का लोगों से धन ठगने का सबसे सरल तरीका 'पाप-स्वीकारोक्ति' (indulgences) नामक दस्तावेज़ था।
- जो व्यक्ति को उसके सारे किए गए पापों से छुटकारा दिला सकता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- किसानों ने चर्च द्वारा लगाए गए इस प्रकार के अनेक करों का विरोध किया।
- 1517 में एक जर्मन युवा भिक्षु मार्टिन लूथर (1483-1546) ने कैथलिक चर्च के विरुद्ध अभियान छेड़ा।
- उसने कहा कि मनुष्य को ईश्वर से संपर्क साधने के लिए पादरी की आवश्यकता नहीं है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस आंदोलन को प्रोटैस्टेंट सुधारवाद नाम दिया गया।
- न्यू टेस्टामेंट बाईबल का वह खंड है जिसमें ईसा मसीह का जीवन-चरित्र, धर्मोपदेश और प्रारंभिक अनुयायियों का उल्लेख है।
- 1506 में अंग्रेजी भाषा में बाईबल का अनुवाद, लूथरवादी अंग्रेज, विलियम टिंडेल ने किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्विटजरलैंड में लूथर के विचारों को उलरिक ज्विंगली (1484-1531) और उसके बाद जौं कैल्विन (1509-64) ने लोकप्रिय बनाया।
- जर्मन सुधारक एनाबेपटिस्ट सम्प्रदाय के नेता इनसे कहीं अधिक उग्र सुधारक थे।
- लूथर ने आमूल परिवर्तनवाद का समर्थन नहीं किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड के शासकों ने पोप से अपने संबंध तोड़ दिए।
- कैथलिक चर्च ने अनेक आंतरिक सुधार करने प्रारंभ कर दिए।
- स्पेन और इटली में पादरियों ने सादा जीवन और निर्धनों की सेवा पर जोर दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- स्पेन में, प्रोटैस्टेंट लोगों से संघर्ष करने के लिए इग्नेशियस लोयोला ने 1540 में 'सोसाइटी ऑफ जीसस' नामक संस्था की स्थापना की।
- उनके अनुयायी जेसुइट कहलाते थे।
- उनका ध्येय निर्धनों की सेवा करना और दूसरी संस्कृतियों के बारे में अपने ज्ञान को ज्यादा व्यापक बनाना था।